A **(Printed Pages 3)**

Roll No. _____

AS-2229

M.A. (Fourth Semester) Examination, 2015

ज्योतिर्विज्ञान

Fourth Paper

(ज्योतिष की अन्य पद्धतियाँ तथा ग्रहोपचार)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है।

1. अधोलिखित प्रश्नों के सङ्क्षिप्त उत्तर दीजिए? 4×5=20

   (क) अङ्कज्योतिष के अनुसार मूलाङ्क के सिद्धान्त पर सङ्क्षिप्त प्रकाश डालिए?

   (ख) चीनी ज्योतिष के किन्हीं दो वैशिष्ट्यों पर प्रकाश डालिए?

   (ग) पाश्चात्य ज्योतिष के अनुसार जीविका का विचार कैसे करते हैं? सोदाहरण समझाइए?

   (घ) कृष्णमूर्ति पद्धति में ग्रह-रत्नों के विषय में क्या अवधारणा है?

P.T.O.

(ङ) शनिग्रह की शान्ति हेतु वेदोक्त मन्त्र की जय-विधि सङ्क्षेप में बताइए?

प्रथम वर्ग

2. कृष्णमूर्ति पद्धति के अनुसार स्वकल्पित कुण्डली बनाकर फलादेश की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए? 20

3. कृष्णमूर्ति पद्धति के प्रमुख वैशिष्ट्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वामी तथा उपस्वामी की अवधारणा का परिचय दीजिए?20

द्वितीय वर्ग

4. अङ्क ज्योतिष के अनुसार विविध मूलाङ्को के स्वामी ग्रह तथा मूलाङ्को के अनुसार जातक के भाग्यफल पर प्रकाश डालिए? 20

5. पाश्चात्य ज्योतिष के अनुसार जन्मकुण्डली के विविध भावों के स्वरूप तथा उनसे विचारणीय विषयों पर प्रकाश डालिए।20

तृतीय वर्ग

6. रमलज्योतिष से क्या अभिप्राय है? रमल के अनुसार विचारणीय शुभाऽशुभ फलों की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 20

7. जैन ज्योतिष के स्वरूप तथा महत्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए? 20

चतुर्थ वर्ग

8. बृहस्पति ग्रह की अरिष्ट-शान्ति- हेतु ज्योतिष की विविध पद्धतियों में ग्राह्य उपचार विधियों पर प्रकाश डालिए? 20

9. मारकेश योगों के परिहार हेतु सर्वथोपयोगी 'महामृत्युञ्जय' जय की शास्त्रोक्त-विधि का निरूपण कीजिए? 20